दैनिक सामयिकी: ११.०६.२०२१

'एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर जागरूकता अभियान' और 'इंडिया प्लास्टिक चैलेंज- हैकथॉन 2021'

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दो महीने के 'एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर जागरूकता अभियान' और 'इंडिया प्लास्टिक चैलेंज- हैकथॉन 2021' की शुरुआत की।
- सरकार भारत ने 2022 तक एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को खत्म करने का लक्ष्य रखा था।

प्रमुख बिंदु

एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के बारे में:

- प्लास्टिक जो अपने पहले उपयोग के बाद फेंक दिया जाता है उसे **एकल-उपयोग वाले** प्लास्टिक के रूप में जाना जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, आज उत्पादित अधिकांश प्लास्टिक को पहले उपयोग के बाद फेंकने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

'एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर जागरूकता अभियान' के बारे में:

- GIZ (The Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit GmbH), संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FICCI), भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ मिलकर दो माह के इस लंबे जागरूकता अभियान का आयोजन कर रहे हैं।
- इसमें चार ऑन-लाइन क्षेत्रीय कार्यक्रम और व्यापक स्तर पर लोगों तक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के संदेश को फैलाने के लिए एक सोशल मीडिया अभियान शामिल होगा।

'इंडिया प्लास्टिक चैलेंज- हैकथॉन 2021' के बारे में:

- 'इंडिया प्लास्टिक चैलेंज- हैकथॉन 2021' एक अनूठी प्रतियोगिता है जो स्टार्ट-अप्स/उद्यमियों और उच्च शिक्षा संस्थानों (HEI) के छात्रों को प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने और एकल उपयोग प्लास्टिक के विकल्प को विकसित करने के लिए अभिनव समाधान विकसित करने का आह्वान करती है।

भारत द्वारा की गई पहल:

- भारत सरकार ने पहले ही देश में प्लास्टिक कचरे के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016:

- पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने ही पर्यावरण के अनुकूल तरीके से प्लास्टिक कचरे से निपटने के लिए पहली बार **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016** अधिसूचित किए थे।
- नियमों के तहत 50 माइक्रोन से कम के प्लास्टिक कैरी बैग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।
- इसके अलावा, मंत्रालय ने प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 में संशोधन के लिए मार्च 2021 में डिस्पोजेबल प्लास्टिक कटलरी आदि जैसी 12 एकल उपयोग प्लास्टिक वस्तुओं को प्रतिबंधित करने के संबंध में एक मसौदा अधिसूचना जारी की गई है।

स्रोत: PIB

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय रेल को 700 मेगाहर्ट्ज बैंड में 5 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के आवंटन को मंजूरी दी

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारतीय रेल को स्टेशन परिसर एवं रेलगाड़ियों में सार्वजनिक बचाव व सुरक्षा सेवाओं के लिए 700 मेगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी बैंड में 5 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के आवंटन संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।
- **नोट:** इसके अलावा भारतीय रेल ने **TCAS (ट्रेन कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम)** को मंजूरी दी है।

प्रमुख बिंदु

- परियोजना में अनुमानित निवेश 25,000 करोड़ रुपये से अधिक है। यह परियोजना अगले पांच साल में पूरी होगी।
- इसके लिए **भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण** की सिफारिश के अनुसार निजी उपयोग पर रॉयल्टी शुल्क एवं लाइसेंस शुल्क के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा निर्धारित फॉर्मूले के आधार पर स्पेक्ट्रम शुल्क लगाया जा सकता है।
- इस स्पेक्ट्रम के साथ ही भारतीय रेल ने अपने मार्ग पर **LTE (लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन)** आधारित **मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार** प्रदान करने की परिकल्पना की है।

LTE (लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन) के बारे में:

- यह एक 4G वायरलेस मानक है जो 3G तकनीकों की तुलना में सेलफोन और अन्य सेलुलर उपकरणों के लिए बढ़ी हुई नेटवर्क क्षमता और गति प्रदान करता है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

उद्देश्य:

- भारतीय रेल के लिए LTE का उद्देश्य परिचालन, बचाव एवं सुरक्षा से जुड़े ऐप्लिकेशन के लिए सुरक्षित एवं भरोसेमंद वॉइस, वीडियो और डेटा संचार सेवाएं प्रदान करना है।
- यह **इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)** आधारित रिमोट ऐसेट मॉनिटरिंग विशेष रूप से कोच, वैगन व लोको की निगरानी और ट्रेन के डिब्बों में CCTV कैमरों की लाइव वीडियो फीड को सुनिश्चित करने में सक्षम करेगा।

TCAS (ट्रेन कोलिजन अवॉइडेंस सिस्टम) के बारे में:

- यह, एक स्वदेश में विकसित ATP (ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन) सिस्टम है, जो ट्रेन की टक्कर से बचने में मदद करेगा जिससे दुर्घटनाएं कम होंगी और यात्री सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

रेडियो स्पेक्ट्रम के बारे में:

- रेडियो स्पेक्ट्रम इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम का हिस्सा है जिसकी आवृत्ति 30 हर्ट्ज से 300 गीगाहर्ट्ज़ तक होती है।
- इस आवृत्ति रेंज में विद्युत चुम्बकीय तरंगें, जिन्हें रेडियो तरंगें कहा जाता है, आधुनिक तकनीक में, विशेष रूप से दूरसंचार, में व्यापक रूप से उपयोग की जाती हैं।
- विभिन्न उपयोगकर्ताओं के बीच हस्तक्षेप को रोकने के लिए, रेडियो तरंगों के उत्पादन और प्रसारण को एक अंतरराष्ट्रीय निकाय, **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** द्वारा समन्वित राष्ट्रीय कानूनों द्वारा सख्ती से नियंत्रित किया जाता है।

स्रोत: PIB

112 आकांक्षी जिलों में 'सुरक्षित हम सुरक्षित तुम अभियान' शुरू किया गया

चर्चा में क्यों?

- **NITI आयोग और पिरामल फाउंडेशन** ने 112 आकांक्षी जिलों में 'सुरक्षित हम सुरक्षित तुम अभियान' की शुरुआत की, जिससे जिला प्रशासन को COVID-19 के ऐसे मरीजों को होम-केयर सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग मिल सके, जो बिना लक्षण वाले या हल्के लक्षण वाले हैं।

प्रमुख बिंदु

उद्देश्य:

- इस अभियान के घर पर रह रहे लगभग 70 फीसदी COVID मामलों के प्रबंधन, स्वास्थ्य प्रणाली पर दबाव कम करने और लोगों में डर फैलने को रोकने के लिए जिला की तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

निभाने की उम्मीद है।

सुरक्षित हम सुरक्षित तुम अभियान के बारे में:

- यह अभियान एक विशिष्ट पहल, **आकांक्षी जिला सहभागिता** का हिस्सा बन रहा है, जिसमें स्थानीय नेता, नागरिक समाज और स्वयंसेवक **आकांक्षी जिला कार्यक्रम** के ध्यान केंद्रित करने वाले प्रमुख क्षेत्रों में उभरती समस्याओं का समाधान करने के लिए जिला प्रशासन के साथ काम करते हैं।
- सुरक्षित हम सुरक्षित तुम अभियान का नेतृत्व 1000 से अधिक स्थानीय NGO की साझेदारी में जिला मजिस्ट्रेट करेंगे, जो इनबाउंड/आउटबाउंड कॉल्स के माध्यम से मरीजों से जुड़ने के लिए 1 लाख से अधिक स्वयंसेवकों को सूचीबद्ध और प्रशिक्षित करेंगे।
- स्वयंसेवकों को COVID प्रोटोकॉल का पालन करने, मनो-सामाजिक सहायता प्रदान करने और प्रशासन को रोगियों के बारे में समय पर अपडेट प्रदान करने के लिए शिक्षित करके प्रत्येक 20 प्रभावित परिवारों का समर्थन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा।
- पिरामल फाउंडेशन NGO और स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण में सहायता करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट के साथ काम करेगा।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम के बारे में:

- भारत सरकार 2022 तक एक नए भारत की दृष्टि से जनवरी, 2018 में पहल 'आकांक्षी जिलों के परिवर्तन' की शुरूआत की है।
- मानव विकास सूचकांक के तहत भारत की रैंकिंग में सुधार करने, अपने नागरिकों के जीवन स्तर को बढ़ाने और सभी के समावेशी विकास को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

स्रोत: PIB

विश्व बैंक: भारतीय अर्थव्यवस्था 2021 में 8.3% बढ़ेगी

चर्चा में क्यों?

- विश्व बैंक ने अप्रैल 2021 में अनुमानित 10.1 प्रतिशत से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपने 2021-22 GDP विकास अनुमान को घटाकर 8.3 प्रतिशत कर दिया।

प्रमुख बिंदु

भारत के लिए:

- वाशिंगटन स्थित वैश्विक ऋणदाता ने जून 2021 के वैश्विक आर्थिक संभावनाओं के अपने नवीनतम अंक में कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था **वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 8.3%, 2022-23 के लिए 7.5% और 2023-24 के लिए 6.5% की दर** से बढ़ने की उम्मीद है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

विश्व के लिए:

- वैश्विक अर्थव्यवस्था 2021 में 5.6 प्रतिशत तक विस्तार करने के लिए तैयार है - 80 वर्षों में इसकी सबसे मजबूत मंदी के बाद की गति।

भारत द्वारा उठाए गए कदम:

- सरकार ने घोषणा की कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च दोगुने से अधिक होगा और महामारी की आर्थिक विरासत को संबोधित करने के उद्देश्य से एक संशोधित मध्यम अवधि के राजकोषीय मार्ग को निर्धारित करेगा।
- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम फर्मों को तरलता प्रावधान का समर्थन करने के लिए और गैर-निष्पादित ऋणों के प्रावधान पर नियामक आवश्यकताओं को कम करने के लिए और उपायों की घोषणा की।

विश्व बैंक के बारे में:

- विश्व बैंक की स्थापना 1944 के ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में हुई थी।
- इसमें दो संस्थान शामिल हैं: **पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD),** और **अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)।**
- विश्व बैंक **विश्व बैंक समूह** का एक घटक है।

विश्व बैंक समूह के पांच अंतर्राष्ट्रीय संगठन:

- पुनर्निर्माण और विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय बैंक (IBRD)
- अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA)
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC)
- बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (MIGA)
- वेश विवादों के निपटान के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID)

सदस्यता

- 189 देश (IBRD)
- 173 देश (IDA)

प्रमुख रिपोर्ट:

- विश्व विकास रिपोर्ट
- ईज ऑफ डूइंग बिजनेस
- मानव पूंजी सूचकांक
- वैश्विक आर्थिक संभावनाएं
- प्रवासन और विकास संक्षिप्त

स्रोत: द हिंदू

'देहिंग पटकाई' असम का 7वां राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों?

- **असम के देहिंग पटकाई वन्यजीव अभयारण्य** को राज्य का 7वां राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया।
- **पश्चिमी असम के कोकराझार जिले में रायमोना आरक्षित वन** को **5 जून, 2021** को **राष्ट्रीय उद्यान** में अपग्रेड करने के तुरंत बाद यह घोषणा हुई।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

देहिंग पटकाई राष्ट्रीय उद्यान के बारे में:

- 111.942 वर्ग किमी देहिंग पटकाई वन्यजीव अभयारण्य (2004 में अधिसूचित) बड़े देहिंग पटकाई हाथी रिजर्व के अंदर स्थित है, जो ऊपरी असम के डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और शिवसागर जिलों में फैला हुआ है - जो कोयले और तेल से भरपूर है।
- यह क्षेत्र हूलॉक गिब्बन, हाथी, स्लो लॉरिस, बाघ, क्लाउडेड तेंदुआ, सुनहरी बिल्ली, फिशिंग कैट, मार्बल कैट, सांभर, हॉग डियर, स्लॉथ बियर, तथा लुप्तप्राय राज्य पक्षी सफेद पंख वाली बत्तख सहित कई पक्षी प्रजातियों का घर है।

असम में राष्ट्रीय उद्यान:

- असम के सात राष्ट्रीय उद्यान **काजीरंगा, नामेरी, ओरंग, मानस, डिब्रू-सैखोवा, रायमोना और देहिंग पटकाई** हैं।
- **असम** अब **मध्य प्रदेश के 11** के बाद देश में **दूसरी सबसे बड़ी** राष्ट्रीय उद्यानों की संख्या वाला **राज्य है**।
- **केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार** में **नौ राष्ट्रीय उद्यान** हैं।

नोट: काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और मानस राष्ट्रीय उद्यान UNESCO की विश्व धरोहर स्थल हैं।

स्रोत: PIB

असम भारत रत्न, पद्म पुरस्कार की तर्ज पर नागरिक सम्मान प्रदान करेगा

चर्चा में क्यों?

- असम सरकार ने राज्य में प्रतिष्ठित व्यक्तियों और प्राप्तकर्ताओं के लिए नकद पुरस्कार और कई अन्य लाभ प्रदान करते हुए भारत रत्न और पद्म वार्षिक पुरस्कारों की तर्ज पर राज्य पुरस्कारों की घोषणा की।

অসম চৰকাৰ

सत्यमेव जयते

GOVERNMENT OF ASSAM

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

प्रमुख बिंदु

नए घोषित पुरस्कारों के बारे में:

- असम ने **एक असम रत्न, तीन असम विभूषण, पांच असम भूषण और दस असम श्री पुरस्कार** हर साल देने की घोषणा की।
- पुरस्कारों में क्रमशः ₹ 5 लाख, ₹ 3 लाख, ₹ 2 लाख और ₹ 1 लाख नकद दिए जाएंगे।
- पुरस्कारों में गंभीर बीमारी का मुफ्त चिकित्सा उपचार, असम भवनों में मुफ्त प्रवास, ASTC बसों में मुफ्त यात्रा आदि जैसे लाभ भी शामिल होंगे।

स्रोत: NDTV

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक बुद्धदेव दासगुप्ता का निधन

चर्चा में क्यों?

- बंगाली फिल्म निर्माता और कवि, बुद्धदेव दासगुप्ता का 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- बुद्धदेव दासगुप्ता ने कुल पांच बार सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था।
- उनके कुछ सबसे प्रसिद्ध कार्यों में बाग बहादुर, लाल दरजा, कालपुरुष और तहदार कथा जैसे प्रोजेक्ट शामिल थे।

स्रोत: द हिंदू

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now